चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

जनवरी-मार्च, 2023

न्यूज़लेटर

'प्राकृतिक खेती अपनाकर लाई जा सकती है कृषि में नई क्रांति'
विश्वविद्यालय के कृषि विकास मेले में बोले मुख्यमंत्री मनोहर लाल

हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है, जो 11 फसलों पर एमएसपी देकर किसानों के हितों की सुरक्षा कर रहा है। इसके अलावा 20 सब्जियों की खेती को लाभदायक बनाने के लिए भावांतर भरपाई योजना चलाई जा रही है। वर्तमान समय में जल स्तर नीचे जा रहा है जिसके लिए सरकार ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना चलाई हुई है ताकि बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन जल को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जा सकें। ये विचार हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय (10-12 मार्च) हरियाणा कृषि विकास मेले में अंतिम दिन बतौर मुख्यातिथि मौजूद थे। सम्मानीय अतिथियों में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल, डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा व स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भी उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कृषि में नई क्रांति के लिए खेती में रसायनिक कीटनाशक व खरपतरवार नाशक दवाईयों के अंधाधुंध प्रयोग को रोकने के लिए प्राकृतिक खेती व जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने किसानों को नवाचार अपनाते हुए कृषि के साथ अन्य उद्यम जैसे मशरूम, मधुमक्खी पालन, फूलों की खेती, बागवानी, सब्जी उत्पादन, चारा फसल, पशु पालन, मुर्गी पालन व मत्स्य पालन को शामिल करके कृषि में जोखिम को कम करने व लाभदायक व्यवसाय बनाने की सलाह दी।

बे-मौसम बारिश से निपटने के लिए सरकार ने 1200 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया: जेपी दलाल

कृषि मंत्री श्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार युवाओं को कृषि क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर उद्यमशीलता का गुण विकसित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि बेसहारा पशुओं की बढ़ती संख्या के लिए सरकार ने करीब 400 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है। अगले 6 माह बाद ये बेसहारा पशु गली-गली नजर नहीं आएंगे। दूसरी बड़ी समस्या है वर्षा जिसकी अनिश्चिता व बे-मौसम बारिश से निपटने के लिए भी सरकार ने 1200 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है।

एचएयू युवा किसानों को स्वरोजगार शुरु करने की दे रहा ट्रेनिंग: कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि एचएयू युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग दे रहा है।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरा, ज्वार की नई-नई किस्में विकसित की है व अन्य मोटा अनाज वाली फसलों पर भी शोध कार्य चल रहा है। इसके अलावा मोटे अनाजों से विभिन्न मूल्य-संवर्धित उत्पाद बनाने की तकनीक विकसित करने का काम हो रहा है। कार्यक्रम में हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल की कुलपति डॉ. सुमिता मिश्रा ने तीन दिवसीय मेले की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। साथ ही प्रदेश की खेतीबाड़ी की स्थिति सहित सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

अंतर्वस्तु

कृषि को हाईटेक बनाने के लिए नवीनतम तकनीक को बढ़ावा दे रही सरकार: कैलाश चौधरी	2
प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक: जेपी दलाल	2
एचएयू की एनएसएस ईकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित	3
जलवायु परिवर्तन व कृषि एक दूसरे को प्रभावित कर रहे हैं: प्रो. रमेश चंद	4
खेल हमारी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को निखारते हैं : प्रो. बी.आर. काम्बोज	4
गेम्स मीट : एचएयू बना ओवरऑल चैंपियन, बेस्ट एथलीट की ट्राफी पर भी जमाया कब्जा	5
प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग: कुलपति	5
धान फसल में बौनेपन की समस्या के कारक स्पाइनारियोविरिडे समूह के दो वायरस	6
स्वयंसेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें: डॉ. कमल गुप्ता	7
एचएयू वैज्ञानिकों ने पहली बार खोजी ज्वार की नई बीमारी	7
एचएयू के 26 विद्यार्थी चैक यूनिवर्सिटी, प्राग में लेंगे प्रशिक्षण	8
एचएयू के छात्र सोनू का आस्ट्रेलिया में पीएचडी के लिए चयन	8
अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज को अपने नियमित खाने में शामिल करें : प्रो. बी.आर. काम्बोज	9
हकृवि के 19 विद्यार्थी ए.आई.टी., थाईलैंड में प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण	9
धूमधाम से मनाया गया विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस	10
युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए : डॉ. जगबीर सिंह	11
मोटे अनाज अधिक पौष्टिक आहार व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद: कुलपति	11

संरक्षक

प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

मुख्य संपादक

डॉ. जीतराम शर्मा
अनुसंधान निदेशक

संपादक

डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2023-13-1

कृषि को हाईटेक बनाने के लिए नवीनतम तकनीक को बढ़ावा दे रही सरकारः कैलाश चौधरी

वर्तमान समय में किसानों को हाईटेक होने की जरूरत है। इसके लिए सरकार 4 पिलरों पर फोकस कर उन पर नई-नई योजनाएं तैयार कर सब्सिडी के साथ लागू करने पर जोर दे रही है। पहला पिलर उन्नत बीज, दूसरा पिलर लागत कम करना, तीसरा पिलर उत्पाद-भंडारण क्षमता में वृद्धि व चौथा पिलर उत्पाद को उचित रेट पर मार्केट में बेचना है। ये सभी पिलर जैसे ही मजबूत होंगे, तभी किसान की आय भी बढ़ेगी और वह समृद्ध भी होगा। इससे हरियाणा राज्य देश में मॉडल के रूप में उभरेगा। ये विचार राज्य कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री कैलाश चौधरी ने व्यक्त किए, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में दूसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे।

कृषि का बजट बढ़ाया गया 5 गुणा

उन्होने कहा कि भारत सरकार ने कृषि का बजट 2013 के मुकाबले 2022 में 5 गुणा बढ़ा दिया है। खेती को लाभान्वित बनाने के लिए किसानों के समूह बनाकर उन्हें एफपीओ के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ लेते हुए नवीनतम तकनीक से जोड़ने का प्रयास कर रही है। इस कदम पर सरकार ने देश में 10 हजार एफपीओ बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है ताकि इनसे बने पौष्टिक आहार के सेवन से स्वास्थ्य का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी के इस्तेमाल को देखते हुए विभाग ऐसा प्लेटफार्म देने का प्रयास करेगा, जिससे किसान सीधे तौर पर वैज्ञानिकों से जुड़कर कृषि में आने वाली समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेगा। उन्होंने किसानों के हित में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी।

एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे जुड़ा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है व उनको दैनिक आधार पर मौसम की स्टीक जानकारी उपलब्ध करवा रहा है। विश्वविद्यालय के 7 कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थित सामुदायिक रेडियो स्टेशन के माध्यम से किसानों तक खेतीबाड़ी की तकनीकी जानकारी पहुंचा रहा है। कुलपति ने बताया कि 2023 को मोटे अनाजों के वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे की ऐसी किस्में विकसित की है, जोकि लौह तत्व व जिंक से भरपूर हैं व आमजन को विभिन्न बीमारियों व कुपोषण से निजात दिलाएंगी। ऊर्जा मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने बताया कि सरकार अब किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने के लिए योजनाएं चला रही है।

प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायकः जेपी दलाल

हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही हैं। नई योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है। सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट्स पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है ताकि इनसे बने स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद आमजन चख सके और साथ ही उनके स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हो। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए किसानों के

समूह तैयार किए जा रहे हैं, ताकि किसान अपने उत्पादों को गुरुग्राम, जैसे महानगरों की मार्केट में बेचकर लाभ कमा सकें।

छः हजार एकड़ में करवाई गई प्राकृतिक खेती

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा का बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए आने वाले खरीफ सीजन में भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 20 हजार एकड़ का लक्ष्य रखा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम, हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश आहुजा भी मौजूद रहे।

नवाचार व समेकित कृषि प्रणाली अपनाने से बढ़ेगी किसानों की आय : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध हो रहे दोहन पर चिंता जताई। उन्होंने किसानों को कृषि उत्पादन के साथ इनकी गुणवत्ता सुधारने पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकों की गुणवत्ता के आधार पर किसान अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन्हें बेचकर अच्छी आमदनी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने किसानों को नवाचार अपनाते हुए समेकित कृषि प्रणाली जिसमें कृषि के साथ-साथ अन्य उद्यम जैसे मधुमक्खी, मशरूम, बागवानी, सब्जी उत्पादन, नकदी फसल, चारा फसल, पशुपालन व मतस्य पालन को शामिल करके कृषि को लाभदायक व्यवसाय बनाने की सलाह दी।

एचएयू की एनएसएस ईकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई की पांच सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में 28 मार्च को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय की टीम में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को वर्ष 2019-20 जबकि अक्षय महता को वर्ष 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व छात्रा रूचिका व छात्र उमेश को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्त्तव्य पथ पर हरियाणा का नेतृत्व करने के अंतर्गत माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया, जिनमें एचएयू की एनएसएस ईकाई के एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे।

जलवायु परिवर्तन व कृषि एक दूसरे को प्रभावित कर रहे हैं: प्रो. रमेश चंद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ''जलवायु परिवर्तन के दौर में कृषि से खाद्य सुरक्षा और स्थिरता'' विषय पर 3 दिवसीय (17-19 फरवरी) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद मुख्य अतिथि थे जबकि नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एन.ए.एच.ई.पी) के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर डॉ. पी. रामासुंदरम विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चंद ने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि क्षेत्र को बल्कि हर घर के बजट को प्रभावित कर रहा है। देश की बढ़ती जनसंख्या जो ज्यादातर कृषि पर निर्भर है, के लिए जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव चिंतनीय हो सकते हैं। पिछले 100 वर्षों में भारत के औसत तापमान में करीब 0.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी रिकार्ड की गई है। तापमान बढ़ने, बरसाती दिनों की संख्या में कमी व घटते जल स्तर के कारण धान-गेंहू फसल चक्र की पैदावार में 4.5 से 9 प्रतिशत तक की कमी हो रही है। सम्मेलन के वशिष्ट अतिथि डॉ. वी. रामासुन्दरम ने बदलते जलवायु पर चर्चा करते हुए बताया कि जलवायु परिवर्तन के परिवेश में छोटी जोत वाले किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा व स्थिरता को बनाए रखना जरूरी है। हरियाणा का पूरे भारत में खाद्यान उत्पादन में दूसरा स्थान है। प्रदेश में 1.93 लाख छोटे व मध्यम वर्गीय किसान जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित हुए है।

हमारा लक्ष्य कम लागत में कृषि का उत्पादन बढ़ाना व युवाओं को कृषि व्यवसाय की तरफ आकर्षित करना: प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के संरक्षक प्रो. बी. आर काम्बोज ने बताया कि भारत की जनसंख्या का 54.6 प्रतिशत भाग कृषि से जुड़ा हुआ है। कृषि का भारत की कुल जीडीपी में 19.9 प्रतिशत योगदान है। वर्तमान समय में भारत के अंदर कृषि-खाद्यान से जुड़ी हुई योजनाओं के सामने दो चुनौतियां हैं। पहली कम लागत में कृषि का उत्पादन बढ़ाना व दूसरी युवाओं को कृषि व्यवसाय की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन किसानों व वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। असमय तापमान का बढ़ना कृषि उत्पादन पर प्रभाव डालता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें अनुकूल रणनीतियों जैसे कि बढ़ते तापमान व सूखापन के अनुकूल फसलों की किस्में, मिट्टी की नमी का संरक्षण, पानी की उपलब्धता, रोग-रहित किस्में, फसल विविधिकरण, मौसम का भविष्य आंकलन, टिकाऊ फसल उत्पादन प्रबंधन को अपनाने की आवश्यकता है।

खेल हमारी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को निखारते हैं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 21वीं ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज स्पोर्टस एंड गेम्स मीट 2022-23 प्रतियोगिता (20-24 फरवरी) का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज मुख्य अतिथि थे, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कृषि विश्वविद्यालयों, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालयों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के शिक्षण संस्थानों की लगभग 65 टीमों के 2464 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

21वीं ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज स्पोर्टस एंड गेम्स मीट 2022-23

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों में सिर्फ मेडलों की संख्या को बढ़ाना ही हमारा लक्ष्य नहीं है बल्कि हमें ऐसा वातावरण बनाना है जहां खेल हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन जाए। हमारा दायित्व बनता है कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा खेलकूद प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए प्रेरित करें क्योंकि खेलकूद हमारे जीवन को पूर्ण रूप से बेहतर बनाने व अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने में मदद करता है और युवाओं में एक साथ काम करने की इच्छा शक्ति को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह खुशी की बात है कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेल व अन्य गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बताया कि खेल और व्यायाम हमारे सामाजिक जीवन में बेहतर अनुभव देते हैं जिसमें एक साथ काम करना, शिष्टाचार, अच्छे चरित्र का निर्माण और मित्रता करने जैसी भावना विकसित होती है। जो विद्यार्थी खेलों के साथ सुचारू रूप से जुड़े रहते है वे किसी भी नशे व बुरी आदतों में नहीं पड़ते। उनकी कार्यशैली व जीवनशैली बेहतर रहती है। खेलों के साथ-साथ मेडिटेशन को सह-पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए आईसीएआर विशेष तौर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने की योजना बना रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं की प्रशंसा की।

गेम्स मीट : एचएयू बना ओवरऑल चैंपियन, बेस्ट एथलीट की ट्राफी पर भी जमाया कब्जा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 21वीं ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज स्पोर्टस एंड गेम्स मीट में पुरूष व महिला वर्ग की ओवरऑल चैंपियन ट्राफी जीती। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने बेस्ट एथलीट की ट्राफी पर भी अपना कब्जा जमाया, जिसमें पुरूष वर्ग में विकास श्योकंद और महिला वर्ग में अंकिता ने यह ट्राफी अपने नाम की। हकृवि के गिरी सेंटर में 21वीं ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज स्पोर्टस एंड गेम्स मीट के समापन समारोह का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर प्रो. काम्बोज ने बताया कि खिलाड़ियों के उत्थान के लिए हरियाणा सरकार पदक लाओ-पद पाओ के नारे पर नहीं अपितु पदक लाओ-पद बढ़ाओ की पॉलिसी पर काम कर रही है। खेल में रूचि बढ़ाने व प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार ने खेल-नर्सरियां खोली हैं ताकि खिलाड़ियों की नई पौध तैयार की जा सके। उन्होंने कहा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने यह प्रतियोगिता आरम्भ करके बहुत सराहनीय कार्य किया है। इससे कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि हर साल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ रही है, जोकि अच्छा संकेत है। सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने प्रतियोगिता की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एहलावादी ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया, जबकि मंच संचालन डॉ. सुशील लेगा ने किया।

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग: कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा रही। इस मौके पर महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप

जारी...

से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटीक विश्लेषण मिल सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. सुमिता मिश्रा

एसीएस डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए विभाग किसानों को

जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा का बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने देश के खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महत्पवपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों जबकि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आर.एस सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहूजा ने सभी का स्वागत किया व मंच संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

धान फसल में बौनेपन की समस्या के कारक स्पाइनारियोविरिडे समूह के दो वायरस

खरीफ 2022 के दौरान हरियाणा में धान के पौधों में बौनेपन की समस्या देखी गई। इसका प्रकोप सभी किस्मों यानि बासमती, गैर–बासमती, संकर, पी.आर. समूह में पाया गया था। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया धान के पौधों के बौनेपन के पीछे स्पाइनारियोविरिडे वायरस समूह है जिसमें सदर्न राइस ब्लैक स्ट्रीक्ड ड्वार्फ वायरस (एस.आर. बी.एस.डी.वी.) व राइस गॉल ड्वार्फ वायरस (आर.जी.डी.वी.) शामिल हैं जो बीमारी के कारक है। इनमें आर.जी.डी.वी की तुलना में एस.आर.बी.एस.डी.वी. का संक्रमण ज्यादा पाया गया है। रबी सीजन के खरपतवार में एस. आर.बी.एस.डी.वी. का स्थानांतरण होना चिंता की बात है जिसका शीघ्र रोका जाना आवश्यक है।

प्रो. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि अति शीघ्र वायरस के स्त्रोत को

नियंत्रित करने की दिशा में काम करें। विश्वविद्यालय के प्लांट पैथोलॉजिस्ट डा. विनोद कुमार मलिक व बायोटैक्नोलॉजिस्ट डा. शिखा यशवीर ने न्यूक्लिक एसिड और कोट प्रोटीन क्षेत्रों में वायरस को डिकोड किया है।

अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने बताया कि विभिन्न नमूनों की लैब में जांच की, जिसमें दो वायरस की उपस्थिति मिली। पौध रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. हवासिंह सहारण ने स्वच्छ खेती पर जोर देते हुए नाली व मेढ़ों पर नियमित सफाई करने पर जोर दिया, जिससे वायरस के स्थानांतरण को रोका जा सकता है।

स्वयंसेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें: डॉ. कमल गुप्ता

स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करें। ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय (26 फरवरी-4 मार्च) राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त हैं, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया।

क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। इस शिविर में देश के 13 राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

एचएयू वैज्ञानिकों ने पहली बार खोजी ज्वार की नई बीमारी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने ज्वार की नई बीमारी व इसके कारक जीवाणु क्लेबसिएला वैरीकोला की खोज की है। वैश्विक स्तर पर पहली बार ज्वार फसल में इस तरह की बीमारी का पता चला है। पौधों में नई बीमारी को मान्यता देने वाली अमेरिकन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (ए.पी.एस.), यू.एस.ए. द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित जर्नल प्लांट डिज़ीज में वैज्ञानिकों की इस नई बीमारी की रिपोर्ट को प्रथम शोध रिपोर्ट के रूप में जर्नल में स्वीकार कर मान्यता दी है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक दुनिया में इस बीमारी की खोज करने वाले सबसे पहले वैज्ञानिक हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों की इस खोज के लिए बधाई दी। वैज्ञानिकों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के निर्देशानुसार इस रोग के प्रबंधन के लिए कार्य शुरू कर दिया है व जल्द से जल्द आनुवांशिक स्तर पर प्रतिरोध स्त्रोत को खोजने की कोशिश करेंगे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि बदलते कृषि परिदृश्य में विभिन्न फसलों में उभरते खतरों की समय पर पहचान महत्वपूर्ण हो गई है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि राज्य के मुख्यत: हिसार, रोहतक व महेन्द्रगढ़ में यह बीमारी देखने को मिली है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. एच. एस. सहारण ने कहा कि बीमारी की जल्द पहचान से योजनाबद्ध प्रजनन कार्यक्रम विकसित करने में मदद मिलेगी।

इन वैज्ञानिकों का रहा अहम योगदान

इस बीमारी के मुख्य शोधकर्ता और विश्वविद्यालय के प्लांट पैथोलॉजिस्ट डॉ विनोद कुमार मलिक ने कहा कि डॉ. मनजीत घणघस, डॉ. पूजा सांगवान, डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. बजरंग लाल शर्मा, डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. दलविंदर पाल सिंह, डॉ. सत्यवान आर्य और डॉ. नवजीत अहलावत ने इस शोधकार्य में अहम योगदान दिया।

एचएयू के 26 विद्यार्थी चैक यूनिवर्सिटी, प्राग में लेंगे प्रशिक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विभिन्न कॉलेजों के 26 विद्यार्थी चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लौश्फ सांइसिस, प्राग में 2 माह का प्रशिक्षण प्राप्त करने जाएंगे।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा एवं आईडीपी के प्रोजेक्ट इन्वेस्टीगेटर डॉ. के. डी. शर्मा के अनुसार उपरोक्त यूनिवर्सिटी यूरोप में कृषि, ईकोलॉजी व वानिकी में उत्कृष्ट स्थान रखती है। हकृवि के विद्यार्थियों के लिए यह प्रशिक्षण नि:शुल्क होगा। इस प्रशिक्षण का खर्च विश्वविद्यालय की स्कीम सांस्थानिक विकास योजना (आईडीपी) के तहत किया जाएगा।

"विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पर पूरा ध्यान दे रहा है। इसी के अंतर्गत विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ठ विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण के लिए भेज रहा है ताकि वे नई प्रौद्योगिकी व नवीनतम कृषि तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर उन्हें अपने शोध व पठन-पाठन में शामिल कर सकें। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके हैं।"

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन

उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षण के लिए चुने गए विद्यार्थियों में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से अखिल, नन्दनी, आयूशी पारिक, पूजा बेरवाल, रीतू यादव, कारतिकी शर्मा, निशा यादव, उर्वशी, टीनू, अंजीता व रितिका; कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल से चेतन सिंह, निशा, मिनाक्षी व कृष्णा; कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल से नेहा, ज्योति खटकड़, मितुल, लवप्रीत सिंह, प्रीति, मंजू बाला व रोहित और कॉलेज ऑफ होम साइंस, हिसार से दीक्षा बामल, वैशाली, दीक्षा व लवली शामिल हैं।

एचएयू के छात्र सोनू का आस्ट्रेलिया में पीएचडी के लिए चयन

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के छात्र सोनू का चयन आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पीएचडी डिग्री में हुआ है। पाठ्यक्रम के दौरान छात्र सोनू को ट्यूशन फीस में छूट के साथ सालाना 30 हजार आस्ट्रेलियन डॉलर की छात्रवृति भी मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने इस उपलब्धि पर छात्र सोनू को बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। छात्र सोनू वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में डॉ. धारामा हेंगरे के मार्गदर्शन में कृषि में अपशिष्ट जल का उपयोग विषय पर शोध करेगा ताकि लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या को शुद्ध पानी उपलब्ध करवाना और कृषि में पानी की कमी को पूरा कर दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। इस शोध से वर्तमान समय में जल संरक्षण में मदद मिलेगी।

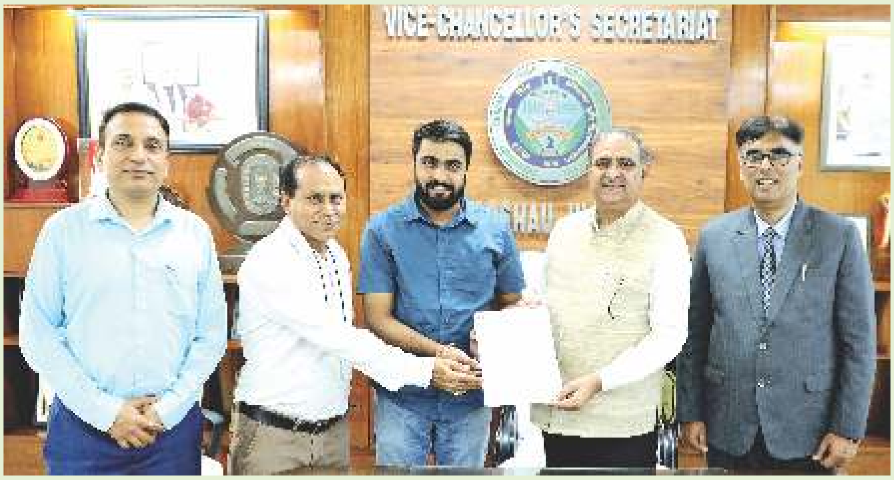

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा कि छात्र सोनू का ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष विश्वविद्यालय में चयन होना गौरव की बात है। यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एचएयू के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए हैं। छात्र सोनू ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय एडवाइजर डॉ. संजय कुमार और उप निदेशक स्वर्गीय सुल्तान सिंह को दिया है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंच देने पर विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज को अपने नियमित खाने में शामिल करें : प्रो. बी.आर. काम्बोज

लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज को अपने नियमित भोजन में शामिल करना चाहिए। जहाँ एक ओर मोटे अनाज वाली फसलें कम पानी व थोड़े दिन में तैयार हो जाती हैं वहीं दूसरी तरफ ये पोषक तत्वों में भी भरपूर होती हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 से संबंधित कार्यक्रमों का शुभारंभ करते हुए बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि वर्तमान फसल चक्रों में बदलाव करके नए फसल विविधिकरण हेतू हमारी परम्परागत प्राचीन मोटे व छोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, सावंक, छोटी कंगनी, कुटकी आदि को पुन: अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर इन मिलेट्स फसलों के महत्व व भविष्य को देखते हुए भारत सरकार के निवेदन पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को 'अन्तर्राष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष' घोषित किया है जोकि आम आदमी को इन मोटे तथा छोटे अनाज वाली फसलों (मिल्लेट्स) के प्रति प्रेरित करने में कारगर साबित होगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि यह कार्यक्रम मोटा अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतू भारत सरकार के साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरूआत है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन कृषि विज्ञान केन्द्र, सदलपुर के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेन्द्र ने किया।

हकृवि के 19 विद्यार्थी ए.आई.टी., थाईलैंड में प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 19 छात्रों का एशियन इंस्ट्टियूट ऑफ टेकनोलॉजी (एआईटी), थाईलैंड में 60 दिन के प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की और उन्हे उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण के लिए भेज रहा है ताकि वे नई प्रौद्योगिकी व नवीनतम कृषि तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर उसे अपने शोध व पठन-पाठन में शामिल कर सकें। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए गए हैं।

प्रशिक्षण का खर्च विश्वविद्यालय की आईडीपी स्कीम के तहत किया जाएगा: प्रोजेक्ट इन्वस्टीगेटर, आईडीपी व अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. के.डी शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्कीम आईडीपी के तहत विद्यार्थियों के लिए यह प्रशिक्षण निशुल्क रहेगा। उपरोक्त प्रशिक्षण के लिए चयनित विद्यार्थियों में भव्या संधू, हर्ष, पूजा, कुलजीत, नीतीश कुमार, प्रज्ञा चौधरी, साहिल, प्रतिभा, अजय, ऋषिका राज, आकाश, रश्मि, महक, सतेन्द्र, जतिन, शिल्पा, शीतल रानी, रविन्द्र, कासिन शामिल हैं।

धूमधाम से मनाया गया विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 54वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज ने गिरी सेंटर परिसर में नवनिर्मित सिंथैटिक टेनिस कोर्ट का उद्‌घाटन किया। यह सिंथैटिक टेनिस कोर्ट लगभग 52 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। इस टेनिस कोर्ट का निर्माण इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन कैटेगरी 3 के आधार पर किया गया है जिसमें चारों तरफ 10 फीट ऊंचाई की जीआई फैन्सिंग लगाई गई है। इस टेनिस कोर्ट में हाई फलड लाईट लगाई गई है जिससे रात को भी मैच खेला जा सकेगा।

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। इस अवसर पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. के.डी. शर्मा ने इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया।

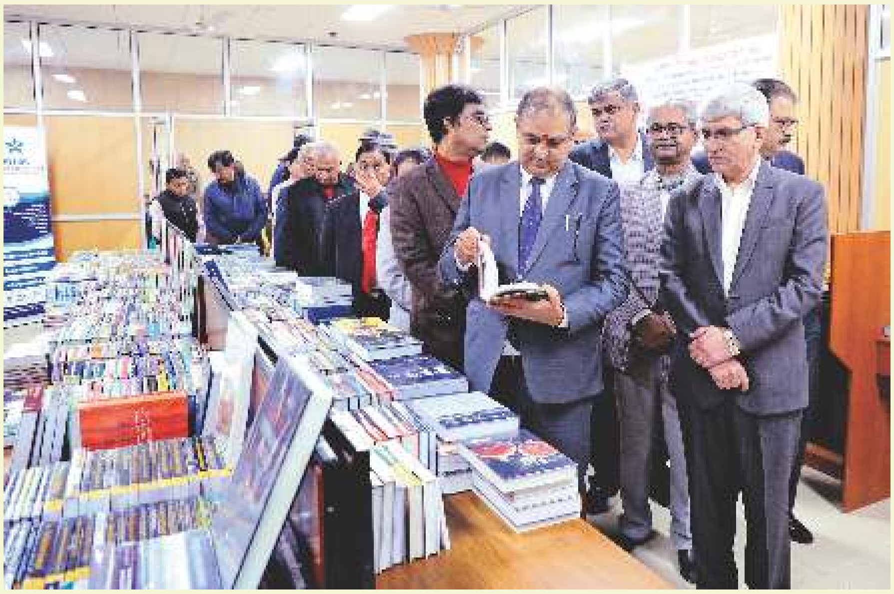

युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए : डॉ. जगबीर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह मुख्यातिथि थे।

डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जिनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, युवा शक्ति के प्रतीक हैं। युवाओं को उनके जीवनमूल्यों एवं आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश के गौरव तथा विकास के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा युवा भारत को एक महान राष्ट्र के रूप में प्रतिस्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्वामी विवेकानन्द अपना जीवन अपने गुरुदेव स्वामी रामकृष्ण परमहंस को समर्पित कर चुके थे। आज के युवाओं को भी स्वामी विवेकानंद से गुरू-शिष्य परंपरा को निभाने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

मोटे अनाज अधिक पौष्टिक आहार व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रदः कुलपति

नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस (18-19 मार्च) का समापन हुआ, जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कान्फ्रेंस से जुड़ें व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने।

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटे अनाजों को श्री अन्न की पहचान दी गई व वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में यादगार बनाने के लिए डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किए गए। उन्होंने बताया कि भारत मोटे अनाज का प्रमुख केंद्र है, साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम हो सकता है। इस वैश्विक सम्मेलन में उत्पादकों, उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों के बीच पोषक अनाज के प्रचार और जागरूकता, पोषक अनाज की वैल्यू चेन डिवेलपमेंट, पोषक अनाज के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी पहलू, बाजार संपर्क, अनुसंधान और विकास आदि जैसे श्री अन्न से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सत्र आयोजित किए गए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार हरियाणा राज्य में लगभग 4.5 लाख हैक्टेयर भूमि पर बाजरा व 0.70 लाख हैक्टेयर भूमि पर ज्वार की खेती की जाती है। हरियाणा में बाजरा व ज्वार उत्पादकता क्रमशः 2017 व 528 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि वर्तमान समय की मांग है कि मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाकर उनकी उपयोगिता व पोषण तत्वों के बारे में हर व्यक्ति को जागरूक किया जाए। सम्मेलन में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार व अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इस सम्मेलन में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव व बाजरा प्रजनक डॉ. देवव्रत, ज्वार फसल के वैज्ञानिक डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सतपाल, डॉ. बजरंग लाल शर्मा, फूड एंड न्यूट्रिशियन विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधू व वैज्ञानिक डॉ. उर्वशी नांदल सहित अन्य वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व मिलेट पर काम करने वाले किसानों ने भी वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

कृषि विकास मेला की झलकियाँ

फीडबैक

मीडिया एडवाइज़र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004

दूरभाष : 01662-284330, 289307

ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत

(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)

दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10

वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117